सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK
• वर्षः 11 • अंकः 311 पृष्ठः 8 • लखनऊ, शुक्रवार 19 दिसम्बर, 2025
मूल्य ₹ 3/-

यदि कोई सही तरीके से बोलना जानता है तो उसे पता है कि वाणी एक अमूल्य रत्न है। इसलिए वह हृदय के तराजू में तोलकर ही उसे मुंह से बाहर आने देता है।
-कबीरदास

लगातार सातवीं टी20 सीरीज जीतने... 7 | बंगाल की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट पर... 3 | सरकार का बुलडोजर कफ सिरप के... 2

यूपी विधानसभा शीतकालीन सत्र का पहला दिन

कफ सिरप पर हंगामा घिर गयी योगी सरकार

» विपक्ष ने किया तीखा प्रहार
» वंदे मातरम पर चर्चा के साथ अन्पूरक बजट पेश करेगी योगी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में शीतकालीन सत्र का पहला दिन भले ही कैलेंडर पर एक साधारण तारीख हो लेकिन दर हकीकत आज का दिन यूपी की राजनीति और शासन की जवाबदेही के बीच एक निर्णायक टकराव के रूप में इतिहास में दर्ज हो गया। आज से शुरू हुए यूपी विधानसभा के शीतकालीन सत्र में विपक्ष ने कफ सिरप मामले में योगी सरकार को घेर लिया। हालांकि सीएम योगी पूरी तैयारी के साथ आये थे और मीडिया से बातचीत में उन्होंने सपा पर माफियाओं से साठगांठ के आरोप लगा कर मामले को बैलेंस करने की कोशिश की।

सत्र की शुरुआत होते ही विधानसभा सदन में कफ सिरप विवाद केंद्र बिंदु में आ गया और विपक्ष ने उस मुद्दे को इस कदर जोर से उठाया कि योगी सरकार अबतक की अपनी कार्रवाई की व्याख्या देने में असहज दिखी। जैसे ही सत्र शुरू हुआ विपक्षी सदस्यों की ओर से आवाजें उठने लगीं कि कफ सिरप तस्करी और उससे जुड़े मामलों में सरकार ने क्या किया, विपक्ष का आरोप था कि असली गुनाहगार अभी तक बचे हुए हैं। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के विधायकों ने कहा कि केवल बयानबाजी और जांच समितियां गठित करने से ज्यादा तत्काल, ठोस कदम उठाने की जरूरत है। सपा विधायक ब्रजेश यादव ने कहा कि कफ सिरप की तस्करी और वितरण के कारण बच्चों और कमजोर वर्ग के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। यादव न केवल आंकड़ों का हवाला दिया बल्कि उन्होंने इस मुद्दे पर पूरे सदन का मिजाज ही बदल डाला। वह एक कस्टामाइज्ड कफ सिरप कटआउट साइकिल के साथ सदन पहुंचे थे। सपा,

सरकार की असहजता और विपक्ष की दृढ़ता

योगी सरकार की ओर से सदन में कोई तत्पर, स्पष्ट और विस्तृत जवाब नहीं आया। सरकार की रणनीति में यह लगा कि सरकार इसे अति राजनीतिक दृष्टि से देख रही है। इसलिए सकरार ने जवाब देने से पहले विचार की मुद्रा अपनाई। कई बार जब विपक्षी विधायकों ने अपने आरोपों को दोहराया तो सदन में व्यवधान और आवाज़ों का उभार इतना बढ़ गया कि अध्यक्ष को सदन शांत कराने के लिए नियमों का सहारा लेना पड़ा।

कांग्रेस और अन्य विपक्षी विधायकों का कहना रहा कि योगी सरकार ने इस मुद्दे को लेकर पर्याप्त पारदर्शिता और जवाबदेही नहीं दिखाई।

24 दिसम्बर तक चलेगा सत्र

उत्तर प्रदेश विधानमंडल का शीतकालीन सत्र आज 19 दिसंबर से 24 दिसंबर तक चलेगा। इस सत्र में दैनिक सत्रों के अलावा कई महत्वपूर्ण मुद्दों और विधायी कार्यों पर चर्चा होनी है। जिनमें अनुपूरक बजट पेश किया जाना अहम है। सरकार 22 दिसंबर को वित्तीय वर्ष 2025-26 का अनुपूरक बजट विधानसभा में पेश करेगी। यह बजट उन क्षेत्रों और योजनाओं के लिए अतिरिक्त संसाधन आवंटन का प्रस्ताव होगा जिनके लिए पहले बजट अपर्याप्त माना गया। इसके अतिरिक्त वंदे मातरम पर लंबी चर्चा प्रस्तावित है। वंदे मातरम् के 150वीं वर्षगाठ को लेकर सदन में पांच घंटे की विशेष चर्चा आयोजित होगी। यह बहस सांस्कृतिक ऐतिहासिक पहचान और राष्ट्रीय गीत के महत्व पर केंद्रित होगी। इसके अलावा सत्र में कई विधेयकों पर बहस के अलावा जनहित के मुद्दों पर भी चर्चा की संभावना है जैसे कानून-व्यवस्था, बेरोजगारी, एसआईआर और अन्य सार्वजनिक समस्याएं। विपक्ष ने कुछ मुद्दों को सत्र के एजेंडे में शामिल करने का दबाव भी बनाया है।

सपा को सीएम योगी ने घेरा

सीएम योगी आदित्यनाथ ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि इस पूरे मामले में राज्य सरकार ने सख्त कार्रवाई की है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत बड़े स्तर पर गिरफ्तारियां की हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस अवैध तस्करी और माफिया नेटवर्क के तार समाजवादी पार्टी से जुड़े हुए हैं। सीएम योगी ने कहा कि यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि प्रदेश में सक्रिय हर माफिया के संबंध समाजवादी पार्टी से सामने आते रहे हैं।

दिवंगत विधायक सुधाकर सिंह को श्रद्धांजलि

यूपी विधानमंडल का शीतकालीन सत्र आज से प्रारंभ हो गया है। सदन की कार्यवाही के पहले दिन सपा के दिवंगत विधायक सुधाकर सिंह को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय सहित सभी दलों के नेताओं ने राजनीति और समाज के लिए किए गए उनके योगदान को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद सदन की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। सत्र के पहले दिन मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज से सदन की कार्यवाही शुरू हो रही है। 24 जनवरी को हमारे राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम पर चर्चा का आयोजन किया जाएगा। 24 जनवरी को यूपी का स्थापना दिवस भी है। हमने सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों से चर्चा के लिए अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि सरकार हर विषय पर चर्चा के लिए और हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार है। सदन की कार्यवाही के पहले दिन नेता सदन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय सहित सभी दलों के नेताओं ने स्वर्गीय सपा विधायक सुधाकर सिंह के निधन पर समाज में दिये गए उनके योगदान को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी।

सदन की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित

सरकार का बुलडोजर कफ सिरप के घोटालेबाजों पर कब चलेगा : अखिलेश यादव

बोले सपा प्रमुख- बड़े पैमाने पर अनियमितताएं, चुनिंदा कार्रवाई प्रशासनिक विफलता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा सरकार पर करारा प्रहार किया है। राज्य सरकार द्वारा बुलडोजरों के इस्तेमाल पर निशाना साधते हुए सपा प्रमुख ने कहा, मैंने देखा है कि जब भी कोई घटना होती है, बुलडोजर तैनात कर दिया जाता है, लेकिन इस बार मुख्यमंत्री का खिलौना बुलडोजर चालक भाग गया है, बुलडोजर की चाबी खो गई है और उसे चलाने के लिए ईंधन भी नहीं है। वह बुलडोजर कहाँ है? विध्वंस अभियानों का जिक्र करते हुए यादव ने कहा, अंबेडकर नगर में एक व्यक्ति का घर गिरा दिया गया।

भारत के मुख्य न्यायाधीश ने कहा था कि दूसरों के खिलाफ की गई कार्रवाई से हुए नुकसान के लिए मुआवजा दिया जाना चाहिए, लेकिन यहाँ कप सिरप मामला हजारों करोड़ का है और सरकार चुप है। उन्होंने आगे दावा किया, उत्तर प्रदेश में 22 से 24 जगहों पर बुलडोजरों का इस्तेमाल किया गया है और 22 लोग पीडीए (प्रयागराज विकास प्राधिकरण) से जुड़े हैं। कोडीन-आधारित कफ सिरप के अवैध व्यापार को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए बड़े पैमाने पर अनियमितताओं, चुनिंदा कार्रवाई और प्रशासनिक विफलता का आरोप लगाया। उन्होंने आगे कहा कुछ करोड़ रुपये से शुरू हुआ यह मामला अब बहुत बड़ा हो गया है।

प्रधानमंत्री के निर्वाचन क्षेत्र से सटे जिले से इसके महत्वपूर्ण संबंध जुड़े हुए हैं। पत्रकारों के लिए चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा,हमारे पत्रकार साथी भी चिंतित हैं, हालांकि पत्रकार बहुत साहसी हैं। 700 कंपनियां हैं, और मूल्यांकन करने वाले उन्हें पूरा करने में असमर्थ हैं। वीडियो वायरल करने वाले पत्रकारों की भी तलाश की जा रही है, सरकार को उनकी मदद करनी चाहिए।

नीतीश की पूरी दुनिया में निंदा हुई

बिहार में मुख्यमंत्री द्वारा महिला डॉक्टर का हिजाब खीचने को बहुत दुःखद घटना बताते हुए कहा कि इसकी पूरी दुनिया में निंदा हुई है। यह निन्दनीय है। ऐसा व्यवहार किसी को नहीं करना चाहिए।

विधायकों के साथ विस में उठने वाले महत्वपूर्ण विषयों पर की चर्चा

विधानमंडल दल की बैठक के बाद आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में अखिलेश ने कहा कि भाजपा विधान सभा में जनता के मुद्दों पर नहीं वंदे मातरम पर चर्चा करना चाहती है। आगे कहा कि जिन्होंने तिरंगा नहीं फहराया वे वंदे मातरम पर क्या चर्चा करेंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि विधायकों के साथ विधानसभा में उठने वाले महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई है। कोडीन सिरप कफ सिरप को लेकर पूरा प्रदेश चिंतित है। आरोप लगाया कि सरकार नकली कफ सिरप वालों से मिली हुई है। गरीबों और बच्चों को ऐसा कफ सिरप दिया है जिससे कई जगह जान चली गयी है। उन्होंने कहा कि लोक सेवा आयोग में जो घोटाले हो रहे है उसकी कल्पना नहीं की जा सकती है। अभी भर्ती का जो विज्ञापन आया है उसमें पिछड़ों के साथ धोखा हुआ है।

एसआईआर में सपा के संभावित वोटरों को काटने की कोशिश

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री एसआईआर में समाजवादियों का वोट काटने के लिए अधिकारियों पर दबाव बना रहे है। आरोप लगाते हुए कहा कि वह अधिकारियों से कह रहे हैं कि कमी निकालिए और समाजवादी पार्टी के लोगों का वोट काटिए। अखिलेश ने कहा कि अभी निर्वाचन आयोग के आंकड़े नहीं आए है। हमारे पास भी आंकड़े नहीं आये आखिर मुख्यमंत्री को कैसे पता चल गया कि चार करोड़ वोट कट गये है। आरोप लगाते हुए कहा कि सुनने में आ रहा है कि भाजपा के नेता और विधायक रात में निजी कम्पनियों के साथ बैठकर चार करो? वोट बराबर करने को कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर चार करोड़ वोट कट गया तो 403 विधानसभा क्षेत्रों में हर जगह भाजपा का 84 हजार वोट कट गया है। यही भाजपा को हरायेगा। सपा प्रमुख ने कहा कि सच्चाई यह है कि यह एसआईआर नहीं एनआरसी है। अगर कल को एनआरसी होगा तो सरकार इसके अलावा और कौन सा कागज मांगेगी। आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भाजपा सरकार से मिला हुआ है।

मुझे मुख्यमंत्री की धमकियों से कोई फर्क नहीं पड़ता : गोगोई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की धमकियों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गोगोई ने जोरहाट में पत्रकारों से कहा, मुख्यमंत्री की धमकियों और डराने की कोशिशों से मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्हें ऐसा करते रहने दीजिए। आजकल उनकी बातों से राज्य के लोगों को फर्क नहीं पड़ता।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की धमकियों की राजनीति ज्यादा दिन नहीं चलने वाली है। गोगोई ने कहा, शर्मा अगले चार महीने जो चाहे कर सकते हैं, लेकिन सत्ता से बाहर होने के बाद उन्हें जनता के बीच ही रहना होगा। मुख्यमंत्री पिछले कुछ महीनों से गौरव गोगोई और उनकी पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी 'इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस' (आईएसआई) से संबंध होने का आरोप लगाते हुए लगातार हमले कर रहे हैं। कोलबर्न ब्रिटेन की नागरिक हैं। राज्य सरकार ने इस मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था। एसआईटी ने 10 सितंबर को मुख्यमंत्री को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी।

शर्मा ने पिछले सप्ताह कहा था कि यह मामला केंद्रीय जांच एजेंसी को सौंप दिया जाएगा। शर्मा ने यह भी कहा कि चूंकि एसआईटी जुबिन गर्ग की मौत से जुड़े मामले में आरोपपत्र दाखिल कर चुकी है, अब हम गौरव गोगोई के मामले पर आगे बढ़ेंगे। गर्ग हत्याकांड में अपराध अन्वेषण विभाग (सीआईडी) की विशेष जांच टीम द्वारा दाखिल आरोपपत्र का जिक्र करते हुए गोगोई ने कहा कि राज्य के अनुभवी वकीलों की टिप्पणियों से स्पष्ट होता है कि यह आरोपपत्र अत्यंत कमजोर है।

हंगामे के बीच कर्नाटक में नया बिल पास

» हेट स्पीच और हेट क्राइम पर लगाम का इंतजाम

» भाजपा व कांग्रेस में वार-पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विपक्ष के कड़े विरोध के बीच कर्नाटक विधानसभा ने घृणास्पद भाषण और घृणा अपराध निवारण विधेयक, 2025 पारित कर दिया, जिसके चलते सदन में बार-बार व्यवधान उत्पन्न हुआ। गृह मंत्री जी परमेश्वर ने विधेयक की व्याख्या करते हुए कहा कि समाज को आहत करने वाले और गंभीर परिणाम देने वाले बयानों में तेजी से वृद्धि हुई है।

उन्होंने हत्याओं, हमलों और बढ़ते सामाजिक तनावों का जिक्र करते हुए कहा कि हाल के दिनों में, कई लोग समाज को आहत करने वाले बयान दे रहे हैं, और इसमें काफी वृद्धि हुई है। हम नहीं जानते कि इनका क्या प्रभाव होगा। परमेश्वर ने कहा कि नफरत धर्म, जाति और लिंग के आधार पर भेदभाव से उपजती है और इसे रोकने की आवश्यकता पर बल दिया। अपने व्यक्तिगत अनुभवों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि बहिष्कार और भेदभाव केवल शब्द नहीं हैं। जब मैं छोटा था, तो स्कूल जाते समय लोग मुझ पर पानी फेंकते थे। उन्होंने आगे कहा कि बसवन्ना की शिक्षाओं के बाद सदियाँ बीत जाने के बावजूद, समानता अभी तक पूरी तरह से साकार नहीं हुई है। डॉ. अंबेडकर को सभी स्वीकार करते हैं। हमें उनके द्वारा दिए गए संविधान को लागू करना चाहिए। घृणास्पद भाषण और घृणा अपराध निवारण विधेयक, 2025 के प्रावधानों की व्याख्या करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि यह कानून भाषणों, पुस्तकों या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से घृणा फैलाने वाले व्यक्तियों या संगठनों को नियंत्रित करेगा। उन्होंने कहा कि यह विधेयक पुरानी प्रकाशनों पर भी लागू होगा। इस कानून के तहत अधिकतम सात वर्ष तक की कैद और 50,000 रुपये से लेकर 1 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।विपक्ष के नेता आर अशोक ने इस विधेयक का विरोध करते हुए इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताया। उन्होंने स्वतंत्रता के 75 वर्ष बाद भी ऐसे कानून की आवश्यकता पर सवाल उठाया और आरोप लगाया कि इसका दुरुपयोग व्यक्तियों को निशाना बनाने के लिए किया जा सकता है। अशोक ने दावा किया कि इसमें जमानत का कोई प्रावधान नहीं है और चेतावनी दी कि इस कानून के तहत पत्रकारों को भी जेल भेजा जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक राजनीतिक प्रतिबल निपटाने का ब्रह्मास्त्र बन गया है। चेतावनी दी कि दोष साबित होने से पहले निर्दोष लोगों को भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

कांग्रेस को हुड्डा पर यकीन नहीं : सीएम सैनी

» बोले सीएम- अविश्वास प्रस्ताव पर नेता प्रतिपक्ष के साइन नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़ । कांग्रेस के अविश्वास प्रस्ताव पर सीएम ने कहा कि अविश्वास प्रस्ताव पर नेता प्रतिपक्ष के हस्ताक्षर ही नहीं है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस को हुड्डा पर यकीन नहीं है या फिर ये लोग हुड्डा को नेता प्रतिपक्ष नहीं मानते। इस पर कांग्रेस विधायकों ने हंगामा कर दिया। वहीं भाजपा विधायकों ने सीएम सैनी के समर्थन में नारे लगाए।

इस पर नेता विपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि मुझे अफसोस हुआ है। सदन में कल अच्छी चर्चा हुई है। हुड्डा ने कहा कि अविश्वास प्रस्ताव पर 18 विधायकों के साइन होने चाहिए। किसके हस्ताक्षर है, किसके नहीं, ये कोई सवाल ही नहीं है। हुड्डा ने कहा कि प्रेस कॉन्फ्रेंस मैंने की थी और कहा था कि कांग्रेस अविश्वास प्रस्ताव लाएगी। मंत्री अनिल विज बोलने उठे तो स्पीकर ने कहा कि आप वाइंड अप कीजिए। इस पर विज गुस्से में कुर्सी पर बैठ गए फिर स्पीकर से मुखातिब होकर बोले कि हर बात पर बोल रहे हैं वाइंड अप वाइंड अप। स्पीकर बोले, आप गंभीर बात कीजिए। इस पर विज ने कहा कि मैं हमेशा गंभीर बात ही करता हूं और जब मैं बात करता हूं तो लोग गंभीर हो जाते हैं। शून्य काल में भाजपा विधायक लक्ष्मण यादव ने कहा कि आज कल लिव इन रिलेशनशिप नाम की एक बीमारी चली है। लिव इन रिलेशनशिप को कंडीशनल बनाना जरूरी है। उत्तराखंड की तर्ज पर हरियाणा में कानून बनना चाहिए।

बंगाल की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट पर बवाल विपक्ष ने आयोग पर उठाए सवाल

अधीर रंजन चौधरी का बयान हुआ वायरल

» ममता बनर्जी के पास 35-40 लाख फर्जी वोटरों का भंडार

» बीजेपी ने राहुल गांधी पर बोला हमला

» चुनाव आयोग पर भड़की सीपीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बंगाल में अगले साल विधान सभा चुनाव हैं। उसे लेकर सत्ता में बैठी टीएमसी से लेकर भाजपा, कांग्रेस राणनीति बनाने में जुट गए हैं। एसआईआर से लेकर वोटरों के भंडार तक पर सियासी तकरार जारी है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी लंबे वक्त से ईवीएम में गडबड़ी के साथ वोट चोरी का मुद्दा उठा रहे हैं। पार्टी सड़क से लेकर संसद तक वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े कर रही है, लेकिन अब बीजेपी ने दिग्गज ने अधीर रंजन चौधरी के बयान से कांग्रेस पर जबरदस्त हमला बोला है।

बीजेपी ने अपने नेशनल हैंडल से एक वीडियो एक्स पर पोस्ट किया है। इसमें बीजेपी ने लिखा है कि सर पर झूठ फैलाने वाले राहुल गांधी सुन लो। कांग्रेसी ही कर रहे हैं एसआईआर की मांग। बीजेपी ने आगे कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी के बयान को कोट करते हुए लिखा है कि ममता बनर्जी के पास फर्जी वोटों का भंडार है। ममता दीदी 35 से 40 लाख फर्जी वोटर्स बना कर रखी हैं। बीजेपी ने आगे कांग्रेस पर हमला करते हुए लिखा है कि सुनिए राहुल गांधी, और अपने इंडिया गठबंधन के साथी से सवाल पूछिए। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि चौधरी का यह बयान कब का है?

ममता बनर्जी उठा रही हैं सवाल

बीजेपी ने अधीर रंजन चौधरी के बयान के जरिए कांग्रेस पर यह अटैक ऐसे वक्त पर किया है जब चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में एसआईआर के तहत 58 लाख नाम वोटर लिस्ट से काटे हैं। अधीर रंजन चौधरी पिछली लोकसभा में कांग्रेस के नेता थे। 2024 में अधीर रंजन चौधरी पूर्व क्रिकेटर युसूफ पठान के सामने चुनाव हार गए थे। चुनाव आयोग ने 58 लाख नाम डिलीट करने के बाद ड्राफ्ट वोटर लिस्ट भी जारी कर दी है। चुनाव आयोग ने नाम क्यों हटाए हैं। इसके कारणों का भी उल्लेख किया है, लेकिन एसआईआर मुद्दे पर कांग्रेस की तरह ही ममता बनर्जी भी चुनाव आयोग और बीजेपी को घेर रही हैं। अब बीजेपी ने पश्चिम बंगाल कांग्रेस के पूर्व प्रमुख के बयान को साझा करके कांग्रेस पर तंज कसा है।

बंगाल एसआईआर पर बड़ी बातों पर चर्चा

आयोग ने वोटर लिस्ट से 58 लाख नाम हटाए, 24 लाख से अधिक वोटरों को मृत पाया गया,12 लाख से अधिक वोटर पते पर नहीं मिले, 20 लाख वोटर अपने पुराने निर्वाचन क्षेत्र लौटे, 38 लाख से अधिक वोटर के नाम डुप्लीकेट।

वोटों में कटौती करने का प्रयास हो रहा : अवधेश प्रसाद

पश्चिम बंगाल की सीपीएम नेता के बेटे को मतदाता सूची के मसौदा में अवस्थी उपनाम मिलने पर समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि यह वोटों में कटौती करने का प्रयास है, और ऐसा लगता है कि चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी को सत्ता से हटाने की इस साजिश में शामिल है। जनगणना प्रपत्र डेटा के डिजिटलीकरण के पूरा होने के बाद एसआईआर अभ्यास के पहले चरण के हिस्से के रूप में, मतदाता सूची का मसौदा 16 दिसंबर को प्रकाशित किया गया था।

सीपीएम नेता मोहम्मद सलीम बन गए अवस्थी

मतदाता सूची के मसौदे की जांच करते समय, उन्होंने पाया कि उनके नाम के आगे अवस्थी उपनाम जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि यही गलत उपनाम उनके पिता के नाम के आगे भी लिखा हुआ था। अजीज ने कहा कि मेरे पिता दशकों से राजनीतिज्ञ हैं। सीपीआई (एम) की पश्चिम बंगाल इकाई के राज्य सचिव मोहम्मद सलीम के बेटे आतिश अजीज ने चुनाव आयोग द्वारा प्रकाशित मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। उनका दावा है कि उनके और उनके पिता दोनों के नाम में हिंदू उपनाम अवस्थी जोड़ दिया गया है, जिससे राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में अजीज ने कहा कि वह कोलकाता पोर्ट विधानसभा क्षेत्र के पंजीकृत मतदाता हैं और उनका नाम आतिश अजीज

है। हालांकि, मतदाता सूची के मसौदे की जांच करते समय, उन्होंने पाया कि उनके नाम के आगे अवस्थी उपनाम जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि यही गलत उपनाम उनके पिता के नाम के आगे भी लिखा हुआ था। अजीज ने कहा कि मेरे पिता दशकों से राजनीतिज्ञ हैं। अगर उनके मामले में ऐसी गलती हो सकती है, तो कल्पना ही की जा सकती है कि दूसरों के साथ क्या हुआ होगा। उन्होंने करोड़ों रुपये खर्च करके विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने के उद्देश्य पर भी सवाल उठाया, जबकि इतनी बुनियादी गलतियाँ ही सामने आ रही हैं। तीखे शब्दों में उन्होंने लिखा कि जहां एक ओर मीडिया और भाजपा के कुछ वर्ग यह कहकर खुश हो रहे थे कि एसआईआर प्रक्रिया का इस्तेमाल मुसलमानों पर शिकंजा कसने के लिए किया जाएगा, वहीं दूसरी ओर चुनाव आयोग ने अवस्थी उपनाम जोड़कर मेरे पिता मोहम्मद सलीम और मुझे ब्राह्मण बना दिया। अजीज ने मतदाता सूची के मसौदे की तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें उनके और उनके पिता के नामों के अंत में अवस्थी जोड़ा गया था। उन्होंने बताया कि क्षेत्र मे सीपीआईएम के बूथ एजेंट को इस बारे में सूचित कर दिया गया है और वे मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय से इस मामले पर बात कर रहे हैं।

59 लाख वोटर हटे, भवानीपुर में 45 हजार फर्जी मतदाता

पश्चिम बंगाल में एसआईआर के बाद आंकड़े आ गए हैं कि कितने वोटर कटे हैं। यह पहली रिपोर्ट है। लेकिन चुनाव आयोग की तरफ से जारी पहली रिपोर्ट के अनुसार 59 लाख वोटरों के नाम कट सकते हैं। हालांकि जब तक 16 तारीख को पहला ड्राफ्ट नहीं आ जाता। नई वोटर लिस्ट का 16 दिसंबर को ड्राफ्ट पब्लिकेशन होगा। इसके बाद लोगों की आपत्तियां और दावे लेने का दौर शुरू होगा। चुनाव आयोग बकायदा ऑफिशियल जारी करेगा। लेकिन जो चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार 59 लाख वोट कट गए हैं। साउथ 24 परगना में। विधानसभा पर्टिकुलर विधानसभा क्षेत्र की बात करें तो चौरंगी विधानसभा है। वहां 75,000 वोट कट गए हैं। 75,000 वोट एक विधानसभा में कट गए हैं। इसके अलावा

जहां पे ज्यादा कटे हैं उसमें कोलकाता की सीट है, हुगली की सीट है, जोरापाखी एक विधानसभा क्षेत्र है, वहां कटा है। अब जिन विधानसभा क्षेत्रों के बारे में आपकी रुचि होगी, जैसे ममता बनर्जी की भवानीपुर। ममता बनर्जी की भवानीपुर में 44787 करीब-करीब 45,000 वोटर कट गए हैं। शुभेंदु अधिकारी का नंदीग्राम यहां कुल वोटरों की संख्या थी 21,000 इसमें से 10,000 कुछ वोट कटे हैं। यह एक करोड़ वोटर वह बताए जा रहे हैं जिनका पश्चिम बंगाल में 2002 में हुए एसआईआर के बाद बनी वोटर लिस्ट में नाम मैच नहीं कर रहे हैं। इनके अलावा इतनी बढ़ी संख्या में वोटरों में कुछ के बाहरी होने का भी संदेह है। सूत्रों का कहना है कि ऐसा नहीं है कि इतनी बड़ी संख्या में सभी बांग्लादेश, म्यांमार या अन्य किसी देश के नागरिक हों। इन वोटरों की पुरानी एसआईआर वाली लिस्ट से मैपिंग नहीं हो पाई है। इसलिए इन्हें नोटिस देकर इनकी पहचान सुनिश्चित की जाएगी। इस बीच सूत्रों का कहना है कि पश्चिम बंगाल सीईओ ऑफिस से दो दिन पहले नई वोटर लिस्ट के बारे में कुछ जानकारी साझा की गई थी। जिसमें बताया गया था कि बंगाल की बन रही नई वोटर लिस्ट के ड्राफ्ट पब्लिकेशन में लाख से अधिक चुक वोटरों के नाम कटे हुए होंगे। यह वोटर वो हैं। जो मर चुके हैं, स्थायी रूप से बंगाल छोड़ चुके हैं और डुप्लीकेट वोटर होने समेत अन्य कई तरह की विसंगतियों वाले वोटर पाए गए हैं। सूत्रों का कहना है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विधानसभा क्षेत्र भवानीपुर में सबसे अधिक वोट कट सकते हैं। यहां 44 हजार से अधिक वोट डिलीट होना बताया जा रहा है। जबकि उत्तर और दक्षिण 24 परगना से 16 लाख से अधिक वोट कटे हैं। सूत्रों ने यह भी बताया कि 24 लाख से अधिक ऐसे वोटरों का भी पता लगा है। जिनके छह या इससे अधिक बच्चे हैं। इनमें माता-पिता और बच्चों की उम्र में बहुत अधिक अंतर नहीं है। 85 लाख से अधिक वोटरों के पिता के नाम और अन्य कंटेट में गलतियां मिली है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

अधिक दबाव बढ़ाता है छात्रों में तनाव

"मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े शैक्षणिक कार्यक्रम सभी सार्वजनिक वित्तपोषित विश्वविद्यालयों में प्रारंभ किए जाएं, तो यह न केवल इस क्षेत्र में विशेषज्ञों की कमी की पूर्ति करेगा अपितु समाज में जागरूकता और संवेदनशीलता भी बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा।

भारत में बीते 8-10 वर्षों में उच्च शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों या छात्रों में मानसिक असंतुलन, तनाव, अवसाद, चिंता और आत्महत्या जैसी घटनाओं का बढ़ना अत्यंत दुखद व चिंतनीय है। इन चुनौतियों का समाधान तभी संभव है जब सरकार, विश्वविद्यालय और नियामक संस्थाएं साथ मिलकर एक समन्वित रणनीति बनाएं। ऐसे में यदि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े शैक्षणिक कार्यक्रम सभी सार्वजनिक वित्तपोषित विश्वविद्यालयों में प्रारंभ किए जाएं, तो यह न केवल इस क्षेत्र में विशेषज्ञों की कमी की पूर्ति करेगा अपितु समाज में जागरूकता और संवेदनशीलता भी बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा। जैसे-जैसे भारत आर्थिक और तकनीकी क्षेत्र में उत्तरोत्तर प्रगति कर रहा है, मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा की आवश्यकता इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि आधुनिक जीवनशैली के चलते तनाव, असंतोष और प्रतिस्पर्धा जीवन के अभिन्न अंग बन गए हैं।

छात्र, कर्मचारी, अधिकारी और गृहिणियां सभी किसी न किसी प्रकार के मानसिक दबाव से गुजर रहे हैं। महाविद्यालय व विश्वविद्यालय स्तर पर यदि क्लिनिकल साइकोलॉजी, काउंसलिंग, बिहेवियरल साइंस, रिहैबिलिटेशन स्टडीज और न्यूरोसाइंस जैसे विषयों को प्रोत्साहन दिया जाए तो न केवल प्रशिक्षित विशेषज्ञ तैयार होंगे अपितु ये संस्थान मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी नीतियों, अनुसंधानों और समुदाय सेवा के सक्रिय केंद्र भी बन सकेंगे। यह विशेष शिक्षा विद्यार्थियों को यह समझने में सहायक होगी कि जीवन की चुनौतियों का सामना किस प्रकार संयमित और संतुलित रूप से किया जा सकता है। सार्वजनिक उच्च शिक्षण संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा से समाज और शिक्षा दोनों को भला होगा। इससे शिक्षकों और छात्रों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता बढ़ेगी, जिसके फलस्वरूप परीक्षा के दबाव, असफलता या प्रतिस्पर्धा के कारण बढ़ने वाले तनाव और आत्महत्या जैसी घटनाओं में कमी आने की प्रबल संभावना है। यह उल्लेखनीय है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में छात्रों के समग्र विकास और कल्याण पर विशेष बल दिया गया है और मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा अथवा विशेष शिक्षा उसी दिशा में एक सशक्त प्रयास सिद्ध हो सकती है। डिजिटल व सोशल मीडिया युग में बर्नआउट, डिजिटल लत और सामाजिक अलगाव जैसी नई मानसिक चुनौतियां सामने आ रही हैं, जिनसे निपटने के लिए प्रशिक्षित विशेषज्ञों की बड़ी मांग देखी गई है। यदि उच्च शिक्षण संस्थान स्तर पर पर्याप्त संख्या में विशेषज्ञ तैयार किए जाएं तो भारत न केवल अपनी आवश्यकता की पूर्ति कर सकता है अपितु विश्व को लाभ देगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

निजीकरण के वर्चस्व से उपजे संकट से सबक लें

ज्ञान चंद पाटनी

वर्ष 1991 के आर्थिक सुधारों ने सार्वजनिक क्षेत्र के एकाधिकार को तोड़ा और निजी कंपनियों को आमंत्रित किया। शुरू में रफ्तार धीमी रही, लेकिन 2000 के बाद इसमें तेजी आई। समस्या तब पैदा हुई जब सरकारों ने सभी समस्याओं का हल निजीकरण मान लिया। इससे दक्षता वृद्धि और राजस्व में बढ़ोतरी जैसे फायदे तो हुए, लेकिन नुकसान भी कम नहीं हुआ। एकाधिकार-मनमानी जैसी समस्याएं पैदा हुईं, जनता तो परेशान हो ही रही है, सरकार भी इन कंपनियों की ब्लैकमेलिंग का शिकार हो रही है। ताजा उदाहरण भारत के विमानन क्षेत्र का है। पिछले दिनों विमानन क्षेत्र में इंडिगो एयरलाइन की मोनोपॉली के कारण देश के विभिन्न एयरपोर्ट्स पर बस और रेलवे स्टेशनों से भी बदतर हालात दिखे।

इससे साफ है कि निजी कंपनियों पर आंख बंद करके भरोसा करने से देश कभी भी बड़ी मुश्किल में फंस सकता है। साल 2006 में दिल्ली-मुंबई के बीच उड़ान से शुरू हुई इंडिगो आज भारत के विमानन बाजार में सबसे बड़ी खिलाड़ी है और इसके पास करीब 64 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। उसकी विकास यात्रा जितनी हैरत में डालने वाली है, उतनी ही निराशाजनक और चिंता की बात यह है कि उसके कारण लाखों यात्रियों को भारी परेशानी हुई। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि भी प्रभावित हुई। जिससे इंडिगो के एकाधिकार पर सवाल उठे। साल 1991 से पहले आसमान पर सरकारी एयरलाइन का ही राज था। एयर इंडिया विदेशों के लिए उड़ती थी और इंडियन एयरलाइंस घरेलू बाजार पर काबिज थी। उदारीकरण का दौर आया तो निजी एयरलाइंस के लिए रास्ते खुले और नई एयरलाइंस की बाढ़-सी आ गई। सवाल यह है कि अब कुछ चुनिंदा एयरलाइंस ही क्यों रह गईं और इस क्षेत्र पर इंडिगो का ही एकाधिकार कैसे हो गया। भारत के घरेलू विमानन बाजार में इंडिगो का वर्चस्व वैश्विक स्तर पर असामान्य है। अमेरिका, चीन, ब्रिटेन, ब्राजील, जापान, थाईलैंड या फ्रांस जैसे बाजारों में किसी कंपनी का ऐसा एकछत्र राज दिखाई नहीं देता।

भारतीय बाजार दो प्रमुख कंपनियों-इंडिगो और एयर इंडिया के कब्जे में है, जिनके पास संयुक्त रूप से करीब 90 फीसदी हिस्सा है। इंडिगो की नाकामी या यूं कहें मनमानी के कारण पूरे भारत के एयरपोर्ट्स पर अफरा-तफरी का माहौल बना। मामले की जांच भी शुरू हो गई, लेकिन एयरलाइन को

वह राहत दे दी गई जो वह चाहती थी। भारत के एविएशन रेगुलेटर डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने इंडिगो को अपने पायलटों के लिए नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियमों में अस्थायी छूट दे दी। विशेषज्ञों का कहना है कि जो कुछ हुआ है, उससे यह संदेश गया है कि कोई एक बड़ी कंपनी नियमों में बदलाव करा सकती है, जिससे पूरे भारत की साख प्रभावित हुई है। किसी एक कंपनी के एकाधिकार की समस्या विमानन क्षेत्र तक सीमित नहीं है। यह मोनोपॉली हर सेक्टर में खड़ी हो गई है। स्टील, माइनिंग, पावर, दूरसंचार, ट्रांसपोर्ट, पेट्रोलियम- हर जगह धीरे-धीरे कुछ कंपनियों का एकाधिकार कायम हो रहा है। दूसरी ओर निजीकरण के चलते सरकारी कंपनी बीएसएनएल और एमटीएनएल को हाशिए पर धकेल दिया गया। अब दूसरी छोटी कंपनियों को रौंदते हुए एक-दो कंपनियों का ही यहां राज चल रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं कि निजीकरण के चलते डेटा क्रांति हुई। वर्तमान में भारतीय दूरसंचार बाजार तेजी से बढ़ता हुआ बाजार है, जिसमें 1.2 बिलियन से अधिक ग्राहक हैं। डिजिटल इंडिया के विस्तार, स्मार्टफोन के बढ़ते इस्तेमाल और नई तकनीकों में निवेश के कारण यह बाजार फल-फूल रहा है। इस सुनहरी तस्वीर से इतर देखें तो यहां रिलायंस जियो, एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया जैसे गिने-चुने ऑपरेटर ही रह गए हैं। रिलायंस जियो की दूरसंचार बाजार में 40 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। जिससे एकाधिकार ने नई समस्या पैदा की। बैंकिंग क्षेत्र भी इसी राह पर है। बड़े निजी बैंकों पर ज्यादा भरोसा किया जा रहा है। सरकारी बैंकों का भी निजीकरण हो रहा है। निजी बैंक संपन्न वर्ग के लिए ही काम करने के इच्छुक होते हैं।

न्यूनतम बैलेंस भी बहुत ज्यादा रखे गए हैं, जिससे सामान्य व्यक्ति तो इनमें खाता ही नहीं खुलवा पाता। अच्छी सेवा का दावा करने वाले निजी बैंकों की शिकायतें भी खूब आ रही हैं। हालत यह है कि वित्त वर्ष 2024-25 में निजी क्षेत्र के बैंकों के खिलाफ शिकायतें सरकारी बैंकों से अधिक रहीं। रेलवे के निजीकरण को लेकर भी अटकलें लगाई जाती हैं। यह अलग बात है कि सरकार ने साफ कर दिया है कि इसका निजीकरण नहीं होगा, लेकिन इसकी कई सेवाओं को निजी क्षेत्र में दे दिया गया है। विमानन क्षेत्र में निजी कंपनी के खेल के बाद रेलवे जैसे राष्ट्रीय महत्व और सुरक्षा से जुड़े उपक्रम को निजीकरण के किसी भी षड्यंत्र से दूर रखा जाना आवश्यक हो गया है।

1971 से जुड़ी एक सैनिक की यादें

लेफ्टिनेंट जनरल बलजीत सिंह सेवानिवृत्त

सत्रह दिसम्बर 1971 की रात, 8 बजे, पश्चिमी मोर्चे पर भारत-पाकिस्तान युद्ध में, पंद्रह दिनों तक लगभग निरंतर चली जानलेवा लड़ाई के बाद, समूचे छम्ब युद्ध क्षेत्र में अचानक गहराया सन्नाटा मुझे ब्रह्मांड में उस सर्वव्यापी अलौकिक शांति की याद दिला गया, जो ईश्वर द्वारा पृथ्वी पर जीवन के सृजन से पहले पसरा होगा। लेकिन, क्या हमने युद्ध खत्म होने की खुशी में नाच-गाना किया? अपनी बात करूं तो, मैं तो बस हैरान था कि यह सब हो क्या रहा है, ठीक वैसे ही जैसे कि कवि रॉबर्ट साउदर्न से 'ब्लेंहेम की लड़ाई' के बारे में दो किशोर पोते-पोतियों ने मासूमियत से पूछा था 'अब हमें युद्ध के बारे में बताओ, और वे एक-दूसरे से क्यों लड़े?...' और कविता इन पंक्तियों के साथ खत्म होती है... 'और सबने ड्यूक की तारीफ की जिसने यह महान लड़ाई जीती।' लेकिन आखिर इसका क्या फायदा हुआ? छोटे पर्किन ने कहा।

कवि ने कहा : 'क्यों, यह मैं नहीं बता सकता लेकिन यह शानदार जीत थी'। इतिहास में देखें तो, तीनों भारत-पाकिस्तान युद्धों में भारतीय उपमहाद्वीप का यह छोटा सा हिस्सा पाकिस्तान के सैन्य योजनाकारों के लिए एक सामरिक आसक्ति बना रहा और दक्षिणी पीर पंजाल क्षेत्र पर प्रभुत्व जमाने के लिए युद्ध की शुरुआत का मुहाना एवं जम्मू क्षेत्र के लिए संभावित खतरा रहा अलबत्ता वे इसमें सफल नहीं हुए। इन प्रवृत्तियों के मद्देनजर, द्वितीय विश्व युद्ध की नामी 10वीं इन्फैंट्री डिवीजन को छम्ब-जौड़ियां सेक्टर में रक्षा स्थिति मजबूत करने और 1965 के युद्ध में छम्ब सेक्टर में पाकिस्तान द्वारा कब्जाए इलाके को फिर हासिल करने के उद्देश्य से तैनात किया गया था। लेकिन यहां हमारे पाकिस्तानी दुश्मनों ने 3 दिसंबर, 1971 की शाम शुरू हुए साहसिक पूर्व-आक्रमण से हमें मात दे डाली। उनका मंसूबा तभी साफ हो गया जब विभिन्न कैलिबर की लगभग 180 तोपों ने एक साथ फायरिंग शुरू कर दी, जिससे नारंगी-गुलाबी रोशनी फैल गयी, तोपों की लगातार फायरिंग की गड़गड़ाहट दूर तक सुनाई देती।

लेकिन अगले पल, वह जबरदस्त आवाज हमारे चारों ओर बरसने वाले घातक गोलों के कानफाड़ू धमाकों के सामने फीकी पड़ गई। तारों से भरा आसमान, धुएं और मलबे के गुबार से ढक गया। पांच दिसंबर की रात तक पाकिस्तान ने तवी नदी के पश्चिम तट का बचाव कर रही 191 इन्फैंट्री ब्रिगेड ग्रुप के ज्यादातर भाग को लगभग निष्क्रिय कर डाला था, सिवाय 12वीं फील्ड रेजिमेंट (आर्टिलरी) के, और जी-ओ-सी ने 6 दिसंबर को अपने कमांडरों को पीछे हटने को कहा। लग रहा था कि हमारी कमांड रेडियो फ्रीक्वेंसी हैक हो गई क्योंकि उस रात तोपखाने के अनवरत हमलों ने खूनखराबे में और इजाफा कर दिया। 6 दिसंबर को लगभग 5 बजे, 191वीं ब्रिगेड ने 12वीं फील्ड रेजिमेंट द्वारा दिए कवरिंग फायर के तहत पीछे हटना शुरू किया और पौने आठ बजे तक, अलग-थलग पड़ चुकी 12वीं फील्ड की हालत देख, दुश्मन ने तवी तट पर घोड़े की नाल जैसी घेराबंदी बनाकर, हम तोपचियों को उसके तंग होते घेरे में फांसने का मौका हथिया लिया!

हम हर तरह से फंस चुके थे, लेकिन किस्मत ने हमारा साथ दिया जैसे कि घेराबंदी तोड़ने की हमारी व्यूहरचना की गाथा को पश्चिमी कमान के जी-ओ-सी लेफ्टि.जन. केपी कैंडथ,ने ब्यान किया 'इस टुकड़ी (यानी 12वीं फील्ड रेजिमेंट की 'क्यू' तोपखाना टुकड़ी) की तोपें मुनावर तवी पुल को पार करने वाली सैनिकों की आखिरी संगठित टुकड़ी थीं, जिन्होंने बड़े जोश से और रणनीतिक ढंग पर अमल करते हुए, कुछ-कुछ दूर तक पीछे हटते वक्त भी फायरिंग जारी रखी, दुश्मन की पीछा करती इन्फैंट्री के थककर रुकने तक वे प्वाइंट ब्लैंक फायरिंग करती रहीं, उपरांत पुल को हमारी रक्षात्मक रणनीति के तहत 101वीं इंजीनियर फील्ड कंपनी द्वारा 6 दिसंबर, 1971 को पौने बारह बजे उड़ा दिया गया'। भीषण लड़ाई के बीच भी हास्य के पल आते हैं। जब 7 दिसंबर को हमारे खोजी पहरेदारों ने हमारे तोपखाने इलाके में एक संदिग्ध 'घुसपैठिए' को पकड़ा। लेकिन 1956 में आईएमए, देहरादून में हमारे आखिरी साथ के बाद, बख्तरबंद कोर की वर्दी में, 6 फीट लंबे उस 'घुसपैठिए' मेजर से इस तरह मिलना कितना अजीब रहा!

हम दोनों ने तुरंत पहली नजर में एक-दूजे को पहचान लिया; यह मित्र ग्रोवर पास की एक खाई में सो रहा था जब उसके टैंक सैनिकों ने 'तुरंत आगे बढ़ो' के आदेश पर कार्रवाई की, और अपने ट्रूप कमांडर को नींद पूरी करते छोड़ आगे बढ़ गए! और आखिर में, विरासत बनने काबिल यादें। जब लगने लगा कि हमने बाजी जीत ली, तो दुश्मन ने पूर्वी किनारे पर कई छोटी-छोटी घुसपैठें करके फिर हैरान कर दिया, जिससे खतरे की घंटियां बज उठीं और हमें और पीछे हटने के आदेश मिले। सूबेदार मेजर संत राम साहब ने रूआंसी आंखों से कहा:'साहब, ऐना पीछे हट-हट के, घर वापस जा के अपना मुंह किवें दिखावांगे'! मैं जवाब ढूंढ ही रहा था, तभी वह आदेश वापस ले लिया गया, संत राम साहब खुशी से बोले : 'ऐह तां रब ने फौज दी इज्जत बचा दित्ती, साहब जी'! 14 दिसंबर सुबह पहली बार तोपखाने से स्पोर्ट-फायर की मांगों में कमी आई और दोपहर को, सबकी नज़रें एक संतरी पर पड़ीं जो संगीन की नोक पर दो पगड़ी धारी सिख ग्रामीणों को मेरे पास ला रहा था और अचानक उन्होंने 'ओह बल्ले-बल्ले' कहते हुए बांहों में भरकर मुझे ऊपर उठा लिया! हमारा पूरा तोपखाना हैरानी भरी हंसी से चहक उठा।

दूध से नहाना शरीर के लिए है बेहद लाभदायक

दूध से नहाना कोई नया चलन नहीं है, बल्कि ये परंपरा तो सदियों पुरानी है। इस परंपरा के तहत राजघरानों में महिलाएं अपनी खूबसूरती को बढ़ाने के लिए दूध से नहाती थीं। उसी परंपरा को आज भी बहुत से लोगों ने कायम रखा हुआ है। वैसे तो ये काफी फायदेमंद है, लेकिन बहुत से लोगों को ये सूट नहीं करता। ऐसे में ये सवाल उठता है कि क्या वाकई दूध से नहाना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है ? तो इसका जवाब है कि हां दूध में लैक्टिक एसिड, विटामिन A, D, E और प्रोटीन जैसे तत्व पाए जाते हैं। जो स्किन को काफी लाभ पहुंचाते हैं। यही वजह है कि आज के समय में लोग मिल्क बाथ लेना पसंद करते हैं। अब तो बाजार में बॉडी वॉश, मिल्क सोप और DIY मिल्क बाथ आने लगे हैं जो आसानी से मिल जाते हैं। तो यदि आप मिल्क बाथ में नहाते हैं तो आपकी त्वचा काफी चमकती नजर आयेगी।

ड्राई स्किन के लिए फायदेमंद

अगर आपकी स्किन रूखी है तो दूध से नहाना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। खासतौर पर अब जब कुछ दिन में सर्दी का मौसम शुरू हो जाएगा तो सर्दियों में दूध से नहाने से रूखी त्वचा वालों की स्किन में नमी बनी रहती है। कच्चे दूध में मॉइश्चराइजिंग गुण होते हैं, साथ ही इसमें लैक्टिक एसिड मौजूद होते हैं। इसके अलावा दूध में विटामिन बी, डी और कैल्शियम आदि भी मौजूद होता है, जो इसे त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

डेड स्किन हटाता है

दूध से नहाने की वजह से आपकी डेड स्किन धीरे-धीरे हटतने लगती है। ऐसा इसलिए क्योंकि दूध में लैक्टिक एसिड होता है, जो प्राकृतिक एक्सफोलिएटर की तरह काम करता है और डेड स्किन सेल्स को हटाता है। इससे चेहरा दमकने लगेगा।

सनबर्न और जलन में राहत देता है

अभी तेज चिलचिलाती धूप से हर कोई परेशान है। ऐसे में दूध आपकी त्वचा को ठंडक पहुंचाता है। इसके पोषक तत्व जलन, सनबर्न और एलर्जी में राहत प्रदान करते हैं। इससे सनबर्न से होने वाली जलन एकदम से खत्म हो जाती है।

त्वचा होगी मुलायम

अगर आप नियमित रूप से दूध से नहाते हैं तो इससे आपकी स्किन धीरे-धीरे सॉफ्ट बनने लगती है। ऐसा इसलिए क्योंकि दूध में मौजूद वसा और प्रोटीन त्वचा को हाइड्रेट करते हैं, जिससे त्वचा मुलायम और कोमल महसूस होती है।

स्किन ग्लो बढ़ाता है

जब दूध से डेड स्किन हटने लगती है तो इससे आपकी स्किन टोन एक शेड लाइट हो जाती है। ऐसे में हम कह सकते हैं कि दूध से नहाने से त्वचा में निखार आता है और ये नेचुरल ग्लो देती है।

हंसना मना है

आदमी रात को गली के सामने खड़ा था। चौकीदार ने कड़क आवाज में पूछा- कौन हो तुम, यहां क्या कर रहे हो? आदमी- मेरा नाम शेर सिंह है। चौकीदार- बाप का नाम, आदमी- शमशेर सिंह। चौकीदार- कहां रहते हो? आदमी- शेरों वाले मोहल्ले में। चौकीदार- तो यहां खड़े क्या कर रहे हो, घर जाओ? आदमी- कैसे जाऊं, आगे कुत्ते भौंक रहे हैं।

शादी के बाद पति का व्यवहार, पहले साल- जानू संभलकर उधर गड्ढा है। दूसरे साल- अरे यार देख कर उधर गड्ढा है। तीसरे साल-दिखता नहीं, उधर गड्ढा है। चौथे साल- अंधी है क्या, गड्ढा नहीं दिखता? पांचवे साल- अरे उधर कहां मरने जा रही है, उधर गड्ढा है।

एक मकान मालिक नए किरायेदार को मकान दिखा रहा था, बोला- इसका किराया 700 रुपए होगा। किरायेदार - ठीक है, लेकिन आपके मकान में तो चूहे नाच रहे हैं ! मालिक- तो 700 रुपए में क्या शीला का नाच देखना चाहते हो?

पत्नी- आपको मेरी सुंदरता ज्यादा अच्छी लगती है या मेरे संस्कार? पति- मुझे तो तेरी ये मजाक करने की आदत बहुत अच्छी लगती है।

कहानी | बकरी और तीन ठग

एक गांव में शम्भुदयाल नाम का एक ब्राह्मण रहता था। वह बहुत विद्वान था और लोग आए दिन उसे अपने घर में भोजन के लिए निमंत्रण देते रहते थे। एक दिन ब्राह्मण एक सेठ जी के यहां से भोजन करके आ रहा था। लौटते समय सेठ ने ब्राह्मण को एक बकरी उपहार में दी, जिससे ब्राह्मण रोजाना उसका दूध पी सके। ब्राह्मण बकरी को कंधे पर रखकर घर की ओर जा रहा था। रास्ते में तीन ठगों ने ब्राह्मण और उसकी बकरी को देख लिया और ब्राह्मण को लूटने का षड्यंत्र रचा। वे ठग थोड़ी-थोड़ी दूरी पर जाकर खड़े हो गए। जैसे ही ब्राह्मण पहले ठग के पास से गुजरा, तो ठग जोर-जोर से हंसने लगा। ब्राह्मण ने कारण पूछा तो ठग ने कहा, 'महाराज मैं पहली बार देख रहा हूं कि एक ब्राह्मण देवता अपने कंधे के ऊपर गधे को लेकर जा रहे हैं।' ब्राह्मण को गुस्सा आ गया और ठग को भला-बुरा कहते हुए आगे बढ़ गया। थोड़ी ही दूरी पर ब्राह्मण को दूसरा ठग मिला। ठग ने गंभीर स्वर में पूछा, 'हे ब्राह्मण महाराज, क्या इस गधे के पैर में चोट लगी है, जो आप इसे अपने कंधे पर रखकर ले जा रहे हैं।' ब्राह्मण उसकी बात सुनकर सोच में पड़ गया और ठग से कहा, 'तुम्हे दिखाई नहीं देता है कि यह बकरी है, गधा नहीं। ठग ने कहा, 'महाराज शायद आपको किसी ने बेवकूफ बना दिया है, बकरी की जगह गधा देकर।' ब्राह्मण ने उसकी बात सुनी और सोचता हुआ आगे बढ़ गया। कुछ दूरी पर ही उसे तीसरा ठग दिखाई दिया। तीसरे ठग ने ब्राह्मण को देखते ही कहा कि महाराज आप क्यों इतनी तकलीफ उठा रहे हैं, आप कहें, तो मैं इसे आपके घर तक छोड़ कर आ जाता हूं, मुझे आपका आशीर्वाद और पुण्य दोनों मिल जाएंगे।' ठग की बात सुनकर ब्राह्मण खुश हो गया और बकरी को उसके कंधे पर रख दिया। थोड़ी दूर जाने पर तीसरे ठग ने पूछा कि महाराज आप इस गधे को कहां से लेकर आ रहें हैं।' ब्राह्मण ने उसकी बात सुनी और कहा, 'भले मानस यह गधा नहीं बकरी है।' ठग ने जोर देकर कहा, 'हे ब्राह्मण देवता, लगता है किसी ने आपके साथ छल किया है और यह गधा दे दिया।' ब्राह्मण ने सोचा कि रास्ते में जो भी मिल रहा है बस एक ही बात कह रहा है। तब उसने ठग से कहा, 'एक काम करो, यह गधा मैं तुम्हें दान करता हूं, तुम ही इसे रख लो।' ठग ने ब्राह्मण की बात सुनी और बकरी को लेकर अपने साथियों के पास आ गया। फिर तीनों ठगों ने बाजार में उस बकरी को बेचकर अच्छी कमाई की और ब्राह्मण ने उनकी बात मानकर अपना नुकसान कर लिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

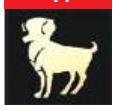

बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। वरिष्ठ जन सहायता करेंगे। अप्रत्याशित लाभ होगा। यात्रा होगी। व्यावसायिक अथवा निजी काम से सुखद यात्रा हो सकती है।

वृषभ

अप्रत्याशित खर्च होंगे। तनाव रहेगा। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम न लें। नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें। भूल करने से विरोधी बढ़ेंगे।

मिथुन

रुका हुआ धन मिल सकता है। निवेश शुभ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोमांस में सफलता मिलेगी, प्रसन्नता रहेगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

कर्क

वरिष्ठ जन सहायता करेंगे। रुके कार्यों में गति आएगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रोजगार बढ़ेगा। सतर्कता से कार्य करें। व्यापार में नए अनुबंध आज नहीं करें।

सिंह

तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। बाहरी सहायता से काम होंगे। ईश्वर में रुचि बढ़ेगी। कामकाज की अनुकूलता रहेगी।

कन्या

चोट व रोग से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। दूसरों पर विश्वास हानि देगा। कार्य में बाधा होगी। पत्नी से आश्वासन मिलेगा। स्वयं के निर्णय लाभप्रद रहेंगे।

तुला

घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। कामकाज की अनुकूलता रहेगी।

वृश्चिक

संपति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी।

धनु

पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। रोजगार में उन्नति एवं लाभ की संभावना है।

मकर

शोक समाचार मिल सकता है। काम में मन नहीं लगेगा। विवाद से बचें। मेहनत अधिक होगी। आवास संबंधी समस्या हल होगी। आलस्य न करें। व्यावसायिक चिंता रहेगी।

कुम्भ

घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। कार्य पूर्ण होंगे। आय बढ़ेगी। मनोरंजक यात्रा होगी। प्रसन्नता रहेगी। सहयोगी मदद नहीं करेंगे। व्ययों में कटौती करने का प्रयास करें।

मीन

पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। जोखिम न लें। लाभ होगा। कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाएं रखें। आर्थिक अनुकूलता रहेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

शाहिद कपूर की फिल्म के लिए मुझे नहीं मिला था पेमेंट : राधिका

राधिका आप्टे को बी टाउन की फेमस एक्ट्रेस के तौर पर जाना जाता है। अपने बेबाक अंदाज के लिए भी राधिका काफी मशहूर हैं। हाल ही में एक मीडिया इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस अपनी डेब्यू मूवी को लेकर शॉकिंग खुलासा किया है और बताया है उस फिल्म के लिए उन्हें निर्माताओं ने पेमेंट नहीं दी। गौर करने वाली बात ये है कि राधिका आप्टे की पहली फिल्म अभिनेता शाहिद कपूर के साथ थी। उन्होंने कहा कि उन बुरे प्रोड्यूसर्स ने मुझे न तो पैसे दिए और न ही रहने की किसी जगह का कोई इंतजाम करवाया। जब मैंने और मेरी मां ने उनसे कॉन्ट्रैक्ट साइन करने को कहा, तो उन्होंने कहा, अरे, उर्मिला मातोंडकर ने भी कॉन्ट्रैक्ट साइन नहीं किया था। मुझे नहीं पता कि उन्होंने साइन किया था या नहीं, लेकिन उन्होंने हमारे साथ बहुत बुरा बर्ताव किया। अपनी बात को आगे जारी रखते हुए राधिका ने वाह! लाइफ हो तो ऐसी के डायरेक्टर महेश मांजरेकर को लेकर भी अपनी राय रखी और कहा- सच बताओं तो महेश मांजरेकर बहुत अच्छे इंसान थे। इसीलिए मैं अपनी फिल्म को भूल जाना चाहती हूं। क्योंकि प्रोडक्शन बहुत खराब था और इस बारे में खुलकर बोलने से मैं बिल्कुल नहीं कतराती हूं। इस तरह से राधिका आप्टे ने अपनी पहली फिल्म वाह! लाइफ हो तो ऐसी को लेकर चर्चा की है। एक्ट्रेस का मानना है कि इस बुरे अनुभव के चलते वह इसे कभी याद नहीं करना चाहती हैं। बड़े पर्दे के बाद आज के दौर में राधिका आप्टे ओटीटी की टॉप की एक्ट्रेस बन चुकी हैं। कुछ दिन पहले अभिनेत्री की लेटेस्ट फिल्म साली मोहब्बत को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज किया गया। आने वाले दिनों में राधिका की एक और नई ओटीटी मूवी रात अकेली 2 को ऑनलाइन स्ट्रीम किया जाएगा।

मृणाल ठाकुर और आदिवी शेष की 'डकैत' का टीजर रिलीज

मृणाल ठाकुर और आदिवी शेष स्टारर मच अवेटेड 'डकैत' का टीजर आज रिलीज हो गया है। फैंस फिल्म का बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और टीजर देखने के बाद फैंस का उत्साह और भी बढ़ गया है। टीजर से फिल्म की कहानी और किरदारों के बारे में पता चलता है। देखिए टीजर में क्या है..

'डकैत' का टीजर तो रिलीज हो गया है, लेकिन अभी ये टीजर सिर्फ 'तेलुगु' में रिलीज किया गया है। यानी हिंदी दर्शकों को अभी थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है। 1 मिनट 31 सेकंड के इस टीजर की

बॉलीवुड | गपशप

शुरुआत आदिवी शेष से होती है। टीजर में पहले लव स्टोरी देखने को मिलती है, जो धीरे-धीरे एक्शन पर पहुंच जाती है। टीजर में आदिवी शेष लवर बॉय से लेकर एक्शन हीरो तक के अवतार में दिखते हैं। जबकि

मृणाल ठाकुर एक बार फिर सुंदर लगी हैं। इसके अलावा टीजर में फिल्म की बाकी कास्ट अनुराग कश्यप, प्रकाश राज और अतुल कुलकर्णी की भी झलक दिखती है। टीजर का अंत अनुराग कश्यप पर होता है, जो फिल्म में निगेटिव रोल में नजर आएंगे।

19 मार्च होगी रिलीज 'धुरंधर' पार्ट 2 और 'टॉक्सिक' से होगी टक्कर

शनिल देव द्वारा निर्देशित यह फिल्म 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। 19 मार्च को 'धुरंधर' का पार्ट 2 और यश की 'टॉक्सिक' भी रिलीज होनी है। ऐसे में 'डकैत' की टक्कर दो बड़ी फिल्मों से होनी है। अब देखना ये है कि आने वाले वक्त में इनमें से किसी फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ती है या नहीं। फिलहाल तो 19 मार्च को बॉक्स ऑफिस पर एक बड़ा क्लैश होने की संभावना है।

कस्टम आफिसर बने इमरान हाशमी, तस्करों की नाक में किया दम

नए साल में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर लेटेस्ट फिल्मों और वेब सीरीज का बहार देखने को मिलेगी। जिसकी शुरुआत इमरान हाशमी की मोस्ट अवेटेड सीरीज तस्करी के साथ की जाएगी। इस वेब सीरीज का टीजर मेकर्स की तरफ से बुधवार को रिलीज कर दिया गया है, जो ऑडियंस को काफी पसंद आ रहा।

इमरान हाशमी की तस्करी को लेकर अब सिने प्रेमियों की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है। ऐसे में आइए जानते हैं कि तस्करी वेब सीरीज को ऑनलाइन कब और कहां रिलीज किया जाएगा।

लंबे समय से अपनी इस सीरीज को लेकर एक्टर इमरान हाशमी का नाम चर्चा में बना हुआ है। कस्टम ऑफिसर की वर्दी में एक्टर के लुक सोशल मीडिया पर पहले ही वायरल हो चुके हैं और अब वेब सीरीज के नाम और टीजर का राज भी खुल गया है।

तस्करी में इमरान आपको एयरपोर्ट कस्टम डिपार्टमेंट के अधिकारी के किरदार में नजर आएगा। इसकी जानकारी वेब सीरीज तस्करी के ऑफिशियल टीजर को देखने से मिल जाएगी, जिसे ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने अपने एक्स हैंडल पर शेयर किया है। इससे ये साफ हो गया है कि तस्करी को नेटफ्लिक्स पर ऑनलाइन स्ट्रीम किया जाएगा। तस्करी के टीजर में दिखाया गया है कि किस तरह से तस्कर एयरपोर्ट पर स्मगलिंग करते हैं और आंख-मिचौली खेलने वाले इन स्मगलर को इमरान किस तरह से पकड़ते हैं। सीरीज में सस्पेंस और रोमांच भरपूर मात्रा में देखने को मिलेगा, जिसकी गारंटी तस्करी का लेटेस्ट टीजर देता हुआ नजर आ रहा है। गौर किया जाए तस्करी की स्टार कास्ट की तरफ इमरान हाशमी के अलावा आपको नेटफ्लिक्स की इस सीरीज में शरद केलकर, नंदिश सिंह संधू, अनुराग सिन्हा, अमृता खानविलकर और जोया अफरोज जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

इमरान हाशमी की तस्करी के टीजर के साथ-साथ मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट से भी पर्दा उठा दिया है। बता दें कि नए साल के दूसरे सप्ताह में 14 जनवरी 2026 को तस्करी को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज की जाएगी। मालूम हो कि स्पेशल ऑप्स जैसी बेहतरीन वेब सीरीज बनाने वाले निर्देशक नीरज पांडे तस्करी के निर्माता हैं, जबकि राघव जयरथ इसके निर्देशक हैं।

अजब-गजब | अफ्रीका के नाइजीरिया में इस समुदाय में अनोखी है शादी की ये परंपरा

यहां दूल्हे से पहले ससुर की गोद में बैठती है दुल्हन

दुनिया में शादी केवल दो लोगों का मिलन नहीं, बल्कि दो परिवारों और दो संस्कृतियों का जुड़ाव मानी जाती है। अलग-अलग देशों में विवाह की रस्में अपने-अपने सामाजिक मूल्यों और भावनाओं को दर्शाती हैं। कहीं ये रस्में भव्य होती हैं, तो कहीं बेहद सादगी से निभाई जाती हैं। अफ्रीका के नाइजीरिया में रहने वाले Edo समुदाय की एक शादी से जुड़ी परंपरा इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा में है। बाहर से देखने पर यह रस्म कुछ लोगों को अजीब लग सकती है, लेकिन इसके पीछे सम्मान, जिम्मेदारी और परिवार को जोड़ने का गहरा संदेश छिपा है।

हाल ही में सोशल मीडिया पर Edo समुदाय की शादी का एक वीडियो सामने आया, जिसने देखते ही देखते लोगों का ध्यान खींच लिया। वीडियो में देखा गया कि शादी के दौरान दुल्हन पहले अपने ससुर की गोद में और फिर अपने दूल्हे की गोद में बैठती है। यह प्रक्रिया कुल सात बार दोहराई जाती है। बिना पूरी जानकारी के कई लोगों ने इस रस्म को गलत नजरिए से देखा और इसे अजीब या आपत्तिजनक तक बता दिया। लेकिन असलियत इससे बिल्कुल अलग है। Edo परंपरा के अनुसार, शादी के समय दुल्हन के परिवार का एक सदस्य दूल्हे का नाम छह बार पुकारता है। इन छह बार दूल्हा कोई प्रतिक्रिया नहीं देता। सातवीं बार जब दुल्हन के पिता दूल्हे का नाम लेते हैं, तब दूल्हा

जवाब देता है। यह इस बात का प्रतीक माना जाता है कि अब वह विवाह और जिम्मेदारियों को पूरी तरह स्वीकार करने के लिए तैयार है।इसके बाद दुल्हन के पिता दूल्हे को समझाते हैं कि अब से उनकी बेटी की हर जिम्मेदारी उसी की होगी। फिर वह अपनी बेटी से आखिरी बार पूछते हैं कि क्या वह अपनी मर्जी से इसी व्यक्ति से विवाह करना चाहती है। दुल्हन के 'हां' कहने पर पिता भावुक शब्दों में बताते हैं कि अब मायका उसका स्थायी घर नहीं रहेगा और वह नए परिवार का हिस्सा बनने जा रही है। इसके बाद दुल्हन के पिता उसे दूल्हे के पिता के पास ले जाते हैं और सात बार उनकी गोद में बैठाते हैं। इसका मतलब यह होता है कि ससुर अब दुल्हन को अपनी बेटी की तरह अपनाने का वचन देता है। फिर दूल्हे के पिता खड़े होकर दुल्हन को अपने बेटे यानी दूल्हे की गोद में बैठाते हैं। इसी के साथ विवाह की रस्म पूरी मानी जाती है। शादी के बाद दूल्हा-दुल्हन पहले एक-दूसरे को चीनी और शहद खिलाते हैं, फिर कड़वे कोला नट का स्वाद चखते हैं। इसका अर्थ यह है कि वैवाहिक जीवन में मिठास भी होगी और कड़वाहट भी, और दोनों को मिलकर स्वीकार करना होगा। इस शादी में दूल्हे द्वारा दिए गए पैसों में से दुल्हन के पिता केवल थोड़ा सा हिस्सा रखते हैं और बाकी रकम वापस लौटा देते हैं। यह दिखाता है कि यह विवाह किसी लेन-देन का सौदा नहीं, बल्कि विश्वास और जिम्मेदारी का रिश्ता है।

रस्मों के बाद दोनों परिवार दूल्हा-दुल्हन को आशीर्वाद देते हैं और जश्न की शुरुआत होती है। सोशल मीडिया पर हमेशा से अधूरी जानकारी के कारण सांस्कृतिक परंपराओं को गलत समझ लिया जाता है। Edo समुदाय की यह रस्म किसी भी तरह से अश्लील नहीं, बल्कि परिवार, सम्मान और जिम्मेदारी को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने का प्रतीक है। यह परंपरा हमें बताती है कि किसी भी संस्कृति को समझने से पहले उसके पीछे के राज को जानना बहुत जरूरी है।

दुनिया की वो तीन जगहें जहां लोगों का जाना है मना धोखा देकर गये तो लौटने के चांसेज रहते हैं कम

दुनिया काफी बड़ी है। लोग इस बड़ी सी दुनिया को एक्सप्लोर करने के लिए ट्रेवल करते हैं। जब से एयरलाइन्स इंडस्ट्री ने बूम किया है, तब से दुनिया बेहद छोटी बन गई है। लोग अपनी मर्जी से अपना ट्रेवल डेस्टिनेशन डिसाइड करते हैं। उसके बाद प्लानिंग कर घूमने निकल जाते हैं। लेकिन दुनिया में कुछ ऐसी जगहें हैं, जहां इंसानों का जाना मना है। इसमें कुल तीन जगहें प्रमुख है। इसमें से एक जहां अमेरिका का ही हिस्सा है, वहीं एक भारत का हिस्सा है। जबकि तीसरे में जहरीले सांपों का कब्जा है। आइये आपको बताते हैं दुनिया की उन तीन जगहों के बारे में, जहां जिंदा पहुंच गए तो जिंदा लौटने की गारंटी नहीं है। **एरिया 51-** यह जगह अमेरिका के नेवादा में स्थित है। वैसे तो इसे मिलिट्री बेस बताया जाता है लेकिन ये है सबसे सीक्रेट जगह। कई लोगों का कहना है कि यहां एलियंस आते हैं। अमेरिका और एलियंस के बीच सम्पर्क हो चुका है। अमेरिका इसे छिपा रहा है। एलियन से जुड़े सारे प्रोजेक्ट्स इसी जगह से शुरू होते हैं। इसकी वजह भी है। आसपास रहने वालों ने इस एरिया में कई बार यूएफओ देखने का दावा किया है। लेकिन अमेरिका इस बात से इंकार करता है। उसका कहना है कि मिलिट्री सीक्रेट की वजह से इस जगह को बाहरी लोगों के लिए बंद किया गया है। **स्नेक आइलैंड-** ब्राजील में स्थित इस आइलैंड में लोगों का जाना मना है। दरअसल, इस आइलैंड में कई खतरनाक सांप रहते हैं। ऐसे में अगर यहां जाने की गलती कर दी, तो सांप का जहर आपकी जान ले लेगा। ऐसे में लोगों से इस आइलैंड से दूर रहने को कहा जाता है। ये आइलैंड उन साँपों का भी घर है जिसके जहर की एक बूंद ही जान लेने के लिए काफी है। इस वजह से लोग भी यहां जाने से डरते हैं। **नॉर्थ सेंटिनल आइलैंड-** भारत के अंडमान निकोबार आइलैंड का एक हिस्सा है ये द्वीप। यहां जाना लोगों के लिए मना है। 2001 की जनगणना के मुताबिक, आइलैंड पर सिर्फ चालीस लोग रहते हैं। इस द्वीप पर रहने वाले लोग बाहरी लोगों को पसंद नहीं करते। अगर कोई यहां आने की गलती करता है तो उसे मौत की सजा मिलती है। एक शख्स ने इस द्वीप पर आकर यहां ईसाई धर्म को प्रमोट करने की कोशिश की थी लेकिन उसे मौत की सजा मिल गई।

भाजपा ने दस करोड़ बंगालियों का किया अपमान, मांगे माफी

» टीमएमसी सांसद अभिषेक बोले- चुनावी लाभ के लिए समुदायों का ध्रुवीकृत करने का प्रयास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भाजपा द्वारा पश्चिम बंगाल को घुसपैठियों का अड्डा बताने के प्रयासों की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि पार्टी जानबूझकर बंगाल को बदनाम करने की कोशिश कर रही है। टीएमसी नेता ने पूछा कि क्या दस करोड़ बंगालियों का अपमान करने वालों में सार्वजनिक रूप से माफी मांगने का साहस होगा? पत्रकारों से बात करते हुए बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल को घुसपैठियों का अड्डा बताने की भाजपा की सोची-समझी साजिश तथ्यों के सामने धराशायी हो गई है। टीएमसी नेता ने कहा कि चुनाव आयोग को जारी मतदाता सूची के मसौदे ने भाजपा के एक से डेढ़ करोड़ रोहिंग्या मतदाताओं के नाम हटाए जाने के सनसनीखेज दावों को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया है।

इससे बंगाल को बदनाम करने और चुनावी लाभ के लिए समुदायों को ध्रुवीकृत करने का एक सुनियोजित प्रयास उजागर हुआ है। उन्होंने बाद में भाजपा नेताओं से जवाबदेही की मांग करते हुए सवाल किया कि क्या दस करोड़ बंगालियों का अपमान करने वालों में सार्वजनिक रूप से माफी मांगने का साहस होगा? घुसपैठ की चिंताओं को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए अभिषेक ने कहा, अगर घुसपैठ का मुद्दा है, तो जवाबदेह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हैं, जो सीमाओं को नियंत्रित करते हैं और सीआरपीएफ की कमान संभालते हैं। बंगाल के बाहर की घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने आगे कहा, बंगाल को छोड़िए, पहलगाम में जो हुआ उसे देखिए। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का कश्मीर पुलिस से कोई लेना-देना नहीं है। फिर घुसपैठिए वहां कैसे घुस रहे हैं? दिल्ली में, 11 नवंबर को बिहार चुनाव परिणाम घोषित होने से कुछ ही दिन पहले, एक विस्फोट में लोगों की मौत हो गई। इसकी जिम्मेदारी किसकी थी? जो लोग बंगालियों को घुसपैठिया बताते हैं, उन्हें परेशान करते हैं, देश से निकालते हैं और यहां तक कि बंगाली को भाषा मानने से भी इनकार करते हैं, उन्होंने बंगालियों पर लक्षित अत्याचार किए हैं।

बंगाल में एसआईआर कराने की कोशिश पूरी तरह विफल

बनर्जी ने आगे कहा कि भाजपा द्वारा चुनाव आयोग का इस्तेमाल करके बंगाल में एसआईआर कराने की कोशिश पूरी तरह विफल हो गई है। बांग्लादेशियों का अड्डा कहकर बंगाल का अपमान करने वालों को जनता के सामने आकर बंगाल के दस करोड़ लोगों से माफी मांगनी चाहिए। भाजपा की विभाजनकारी राजनीति पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, जिन लोगों ने बंगाल को घुसपैठियों का अड्डा कहकर बदनाम किया और एक से डेढ़ करोड़ रोहिंग्या मतदाताओं के नाम हटाए जाने का दावा किया, उनके दावों को चुनाव आयोग ने खुद खारिज कर दिया है।

पंजाब में आप के सुशासन पर जनता की मुहर : केजरीवाल

» पंजाब निकाय चुनाव में जीत से गदगद हैं आम आदमी पार्टी के प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को पंजाब के स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी की सफलता का श्रेय मुख्यमंत्री भगवंत मान को दिया और इसे उनके सुशासन पर जनता की मुहर बताया। उन्होंने कहा कि पंजाब में सरकार के पक्ष में लहर दौड़ रही है, क्योंकि मुख्यमंत्री मान ने जनता के लिए बहुत काम किया है। केजरीवाल ने कहा कि पंजाब में सत्ता समर्थक लहर है। उन्होंने कहा कि ब्लॉक समिति और जिला परिषद चुनावों के परिणाम बताते हैं कि आम आदमी पार्टी ने लगभग 70 प्रतिशत सीटों पर जीत हासिल की है। यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। आम आदमी पार्टी के प्रमुख केजरीवाल ने कहा कि पंजाब में मान सरकार ने ड्रग तस्करों के घरों को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया था।

उन्होंने कहा कि लोगों को रोजगार मिल रहा है और पंजाब में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। केजरीवाल ने कहा कि राज्य में 58,000 युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गई हैं। राज्य भर में लगभग 1000 मोहल्ला क्लीनिक चल रहे हैं। लोग इस सुविधा से बहुत खुश हैं। जनवरी से हर घर को 10 लाख रुपये का बीमा मिलेगा। केजरीवाल ने कहा कि चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से कराए गए और पूरी प्रक्रिया सीसीटीवी में रिकॉर्ड की गई।

पूरे देश में आप की जड़ें फैल रही : भगवंत मान

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि आम आदमी पार्टी की जड़ें पूरे देश में फैल रही हैं, क्योंकि पार्टी ने कई राज्यों में स्थानीय निकाय चुनावों में असाधारण प्रदर्शन किया है। उन्होंने विपक्ष द्वारा लगाए गए धांधली के आरोपों को खारिज कर दिया। अब तक उपलब्ध परिणामों के अनुसार, पक्के जिला परिषद और पंचायत समिति दोनों चुनावों में बड़ी बढ़त हासिल कर ली है। अंतिम परिणाम जल्द ही घोषित होने की उम्मीद है। 14 दिसंबर को 22 जिला परिषदों के 347 जोन और 153 पंचायत समितियों के 2,838 जोन के सदस्यों के चुनाव के लिए मतदान हुआ था।

लाइसेंस शुल्क व्यवस्था के विरोध में व्यापारियों का आक्रोश

» उप्र आदर्श व्यापार मंडल ने महापौर को सौंपा ज्ञापन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम प्रशासन द्वारा राजधानी लखनऊ में लाइसेंस शुल्क व्यवस्था लागू किए जाने की तैयारियों के विरोध में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के पदाधिकारियों एवं व्यापारियों में भारी आक्रोश देखने को मिला। शुक्रवार को प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता के नेतृत्व में संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने लालबाग स्थित नगर निगम कार्यालय में महापौर सुषमा खर्कवाल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और इस व्यवस्था को स्थायी रूप से समाप्त किए जाने की मांग की।

प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा कि वर्ष 2024 में भी नगर निगम द्वारा लाइसेंस शुल्क लागू करने का प्रस्ताव लाया गया था, जिसका व्यापारियों ने जोरदार विरोध किया था। उस समय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा एवं महापौर से मिलकर आपत्ति दर्ज कराई गई थी, जिसके बाद लाइसेंस शुल्क लागू न करने का आश्वासन दिया गया था। व्यापारियों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए महापौर ने ज्ञापन स्वीकार किया और आश्वासन दिया कि वह व्यापारियों के हितों की पूरी रक्षा करेंगी। उन्होंने कहा कि नगर निगम प्रशासन और उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के बीच शीघ्र ही एक संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें वह सेतु का कार्य करते हुए इस समस्या का स्थायी और समुचित समाधान निकालने का प्रयास करेंगी।

खुद कूड़ा बनीं कूड़ा उठाने वाली गाडियां

» नगर निगम की गाड़ियां बदहाल, बिना लाइट-नंबर प्लेट के सड़कों पर दौड़ रहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शहर की सफाई व्यवस्था की रीढ़ मानी जाने वाली नगर निगम की कूड़ा उठाने वाली गाड़ियां खुद ही बदहाली का शिकार नजर आ रही हैं। हालात यह हैं कि कई गाड़ियों में न तो लाइटें काम कर रही हैं, न नंबर प्लेट लगी है और कुछ वाहनों में तो फ्रंट शीशा तक नहीं है। कोहरे के इस मौसम में ऐसी गाड़ियां न सिर्फ चालकों की सेहत के लिए खतरा हैं, बल्कि सड़क सुरक्षा के लिहाज से भी गंभीर लापरवाही को उजागर करती हैं। 4 पीएम के रिपोर्टर से बातचीत में चालक जितेंद्र ने बताया कि उसकी गाड़ी का फ्रंट शीशा करीब एक महीने से नहीं लगा है।

सुबह के वक्त सीधी ठंडी हवा लगती है, जिससे ठंड और बीमार पड़ने का डर बना रहता है, लेकिन हमारी सुनने वाला कोई नहीं, चालक ने कहा। मौके पर दर्जन भर से अधिक गाड़ियों पर नंबर प्लेट नहीं मिली, जबकि कई वाहनों की हेडलाइटें भी खराब पाई गईं। कोहरे के मौसम में बिना लाइट और पहचान के सड़कों पर दौड़ती ये गाड़ियां बड़े हादसे को न्योता दे सकती हैं। इसके बावजूद आरआर विभाग में बैठे जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही साफ नजर आई। इस संबंध में जब सहायक अभियंता अभिजीत यादव से बात की गई तो उन्होंने बताया कि ऐसी गाड़ियों की रिपोर्ट अवर अभियंता द्वारा तैयार की जाती है। जहां भी किसी वाहन में कमी पाई जाती है, उसकी मरम्मत कराई जाती है। जबकि जमीनी हकीकत यह है कि महीनों से खराब गाड़ियां सड़कों पर चल रही हैं। सवाल यह है कि सफाई कर्मियों की सुरक्षा और शहरवासियों की जान की जिम्मेदारी आखिर कब गंभीरता से लेगा।

सांसद महुआ मोइत्रा को हाईकोर्ट से बड़ी राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा को दिल्ली उच्च न्यायालय से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने लोकपाल के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें सीबीआई को मोइत्रा के खिलाफ मामले में आरोपपत्र दाखिल करने की अनुमति दी गई थी।

इससे पहले 21 नवंबर को मोइत्रा को अंतरिम राहत देने से इन्कार करते हुए न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल व न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया था। महुआ मोइत्रा ने तर्क दिया है कि लोकपाल और लोकायुक्त एक्ट-2013 के तहत लोकपाल द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया में साफ तौर पर कमी थी। तृणमूल कांग्रेस की नेता पर कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के कहने पर संसद में सवाल पूछने का आरोप है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

लगातार सातवीं टी20 सीरीज जीतने उतरेगा भारत

» विश्व चैंपियन बनने के बाद एक भी सीरीज नहीं हारी है टीम इंडिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। लखनऊ में चौथा टी20 घने कोहरे के कारण रद्द होने के बाद यह तय हो गया है कि भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज हारने नहीं जा रही है। भारत आज होने वाले पांचवें और अंतिम टी20 में सीरीज में 2-1 की बढ़त के साथ उतरेगा। बावजूद इसके भारत के सामने दक्षिण अफ्रीका से यह सीरीज जीतना चुनौती होगा। सच्चाई यह है कि 2024 में टी20 विश्व चैंपियन बनने के बाद से भारत ने टी20 में एक भी सीरीज और टूर्नामेंट नहीं गंवाया है और न ही उसने इस दौरान कोई सीरीज ड्रॉ की है।

भारत विश्व चैंपियन बनने के बाद से छह टी20 सीरीज और एशिया कप अपने नाम कर चुका है। ऐसे में उसकी कोशिश लगातार सातवीं टी20 सीरीज जीतने की होगी। भारत 2023 से टी20 में अजेय है। इस दौरान उसने एशियाई खेलों, विश्वकप, एशिया कप का खिताब जीतने के साथ नौ टी20 सीरीज जीती हैं और एक ड्रॉ कराई है। 1-1 से एकमात्र ड्रॉ सीरीज उसने दक्षिण अफ्रीका के साथ 2023-24 में खेली है। यही कारण है कि भारतीय टीम यह सीरीज जीतने के लिए अपना पूरा जोर लगा देगी। तीसरे टी20 में नहीं खेलने वाले बुमराह उपलब्ध हैं। तेज गेंदबाजी आक्रमण में अर्शदीप सिंह लय में नजर आ रहे हैं, जबकि हर्षित राणा ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। गिल का छोटे प्रारूप में नहीं चलना भी भारत के लिए अगले साल फरवरी-मार्च में होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले चिंता का विषय होगा। वह पिछले मैच में अभ्यास के दौरान चोटिल हो गए थे। ऐसे में शीर्ष क्रम में संजू सैमसन के रूप में एक अच्छा विकल्प मौजूद है। वहीं अफ्रीका के बल्लेबाजों का प्रदर्शन अब तक उतार चढ़ाव वाला रहा है। अगर उसे सीरीज में बराबर करनी है तो उसके बल्लेबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

सूर्यकुमार यादव की फॉर्म बनी चिंता का विषय

इस मुकाबले में निगाहें फिर कप्तान सूर्यकुमार यादव पर होंगी। उनसे उम्मीद की जाएगी कि वह बड़ी पारी खेलकर अपनी खोई फॉर्म को हासिल करें। सूर्यकुमार ने टी20 में इस साल 20 मैचों में 18 पारियों में एक भी अर्धशतक नहीं बनाया। इस दौरान उन्होंने 14.20 के औसत से 213 रन बनाए।

हंगामें की भेंट चढ़ा संसद का शीतकालीन सत्र

» लोकसभा- राज्यसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, दिल्ली प्रदूषण पर चर्चा अधूरी रह गई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शुक्रवार को संसद अनिश्चित काल के लिए स्थगित हो गई, जिससे शीतकालीन सत्र का समापन हो गया। इस सत्र में बार-बार स्थगन और वॉकआउट के बजाय लगातार बहस हुई, जिससे संसदीय कामकाज सुचारू रूप से चला और सरकार कई महत्वपूर्ण कानून पास करवा पाई।

बीमा और परमाणु ऊर्जा क्षेत्रों में ज़्यादा निजी और विदेशी भागीदारी को बढ़ावा देने, ग्रामीण रोज़गार में सुधार करने और नए वित्तीय और कराधान उपायों को मंज़ूरी देने वाले बिल संसद के दोनों सदनों में पास हो गए। 19 से ज़्यादा सत्रों में, संसद ने आठ प्रमुख कानूनों को उनके आर्थिक, सामाजिक और रणनीतिक प्रभावों पर विस्तार से बहस के बाद मंज़ूरी दी। इनमें सबसे महत्वपूर्ण थे सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया बिल, 2025 (शांति बिल), जो न्यूक्लियर सेक्टर को प्राइवेट भागीदारी के लिए खोलता है। विकसित भारत ग्राम रोज़गार और मानव गरिमा बिल, 2025 (जी रामजी बिल), जो मनरेगा की जगह लेता है; और सबका बीमा सबकी रक्षा (बीमा कानूनों में संशोधन) बिल, 2025, जो बीमा सेक्टर में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश को 100 प्रतिशत तक बढ़ाता है। दिल्ली-एनसीआर में बिगड़ती हवा की क्वालिटी पर जिस चर्चा का बेसब्री से इंतज़ार था, वह शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन लोकसभा में होने वाली थी। हालांकि, दोनों सदनों को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया है, जिसका मतलब है कि यह चर्चा अब नहीं होगी।

शीतकालीन सत्र के दौरान पास हुए बिल

सबका बीमा सबकी रक्षा (बीमा कानूनों में संशोधन) बिल, 2025 ,भारत को बदलने के लिए परमाणु ऊर्जा का सतत उपयोग और उन्नति बिल, 2025 ,विकसित भारत ग्राम रोजगार और मानव गरिमा बिल, 2025 ,विनियोग (नंबर 4) बिल, 2025 निरसन और संशोधन बिल, 2025 ,मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (दूसरा संशोधन) बिल, 2025 ,केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) बिल, 2025 ,स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर बिल, 2025 विकसित भारत शिक्षा प्रतिष्ठान बिल, 2025।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने सभी दलों के लिए टी पार्टी दी

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के कक्ष की एक तस्वीर आती है जहां पीएम नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और प्रियंका गांधी बैठी दिखाई दे रही हैं। वायनाड से फर्स्ट टाइम सांसद प्रियंका के अलावा सपा से धर्मेंद्र यादव, एनसीपी शरद पवार गुट से सुप्रिया सुले और डी राजा भी इस बैठक में मौजूद थे। खास बात ये है कि राहुल गांधी मॉनसून सत्र के समापन में लोकसभा अध्यक्ष द्वारा बुलाई गई ऐसी ही बैठक में नहीं गए थे। लेकिन बहन प्रियंका इस बार की बैठक में शामिल हुईं। खास बात ये है कि वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी को राजनाथ सिंह के बगल की सीट दी गई है। वो रक्षा मंत्री के साथ चाय पी रही हैं। रक्षा मंत्री के ठीक बगल में पीएम नरेंद्र मोदी भी बैठे हैं. इस बैठक में पूरा विपक्ष नजर आ रहा है।

मॉनसून सत्र में विपक्ष ने चाय पार्टी का किया था बहिष्कार

गौरतलब है कि 21 अगस्त 2025 को मॉनसून सत्र के समापन के बाद लोकसभा स्पीकर बिरला ने सभी सदस्यों के लिए चाय मीटिंग रखी थी। लेकिन इस बैठक में राहुल गांधी समेत विपक्ष का कोई नेता नहीं पहुंचा था और चाय पार्टी का बहिष्कार किया था. उल्लेखनीय है कि हर सत्र के समापन के बाद सभी दलों के फ्लोर लीडर्स के साथ स्पीकर टी मीटिंग करते हैं और उनका धन्यवाद करते हैं। इस बैठक में विपक्ष के नहीं आने पर पीएम मोदी निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि पक्ष में, खासकर कांग्रेस में बहुत से युवा नेता बेहद प्रतिभाशाली हैं, लेकिन परिवार की असुरक्षा की वजह से इन युवाओं को बोलने का मौका नहीं मिलता। पीएम ने कहा संभव है कि यही युवा नेता राहुल गांधी को असुरक्षित और घबराहट में डाल रहे हों। शायद राहुल गांधी इन युवा नेताओं से घबरा गए हैं।

उत्तर भारत में घने कोहरे से कंपकंपाए लोग

» दिल्ली-एनसीआर में फ्लाइट ऑपरेशन प्रभावित, रेड अलर्ट जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शुक्रवार सुबह पंजाब से बिहार तक फैली घने कोहरे की मोटी परत के कारण इंडो-गैंगेटिक मैदानों में विजिबिलिटी कम हो गई, जिसके बाद भारत मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली के लिए रेड अलर्ट जारी किया और चेतावनी दी कि सड़क, रेल और हवाई यातायात प्रभावित हो सकता है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सैटेलाइट तस्वीरों में पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश और बिहार में घना कोहरा छाया हुआ दिख रहा है।

सुबह 5.30 बजे, उत्तर प्रदेश के आगरा, बरेली, सहारनपुर और गोरखपुर में; पंजाब के अंबाला, अमृतसर, बठिंडा, लुधियाना और आदमपुर में;,दिल्ली के सफदरजंग म, हरियाणा के अंबाला में, मध्य प्रदेश के ग्वालियर में; बिहार के भागलपुर में; और झारखंड के डाल्टनगंज में विजिबिलिटी शून्य मीटर रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग ने दिल्ली के लिए रेड अलर्ट जारी किया, जिसमें चेतावनी दी गई कि कोहरे के कारण कुछ हवाई अड्डों पर ऑपरेशन बाधित हो सकते हैं और राजमार्गों और रेलवे मार्गों पर भी असर पड़ सकता है। शुक्र वार को दिल्ली में फ्लाइट ऑपरेशन एक बार फिर प्रभावित हुए, जब राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में घने कोहरे ने विजिबिलिटी को बुरी तरह प्रभावित किया। दिल्ली और आस-पास के इलाकों में घना कोहरा छाए रहने के कारण, दिल्ली एयरपोर्ट पर 79 फ्लाइट कैंसिल कर दी गईं।

राज्य विरोधी और गांव विरोधी है वीबी-जी रामजी बिल: राहुल गांधी

» बोले नेता प्रतिपक्ष- मोदी सरकार ने एक ही दिन में मनरेगा के बीस वर्षों को ध्वस्त कर दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''कल रात मोदी सरकार ने एक ही दिन में मनरेगा के बीस वर्षों को ध्वस्त कर दिया। जी राम जी विधेयक, मनरेगा का कोई ''पुनर्गठन'' नहीं है। यह अधिकार-आधारित, मांग-आधारित गारंटी को खत्म कर इसे एक सीमित योजना में बदल देता है, जिसे दिल्ली से नियंत्रित किया जाएगा।

विपक्ष संसद में विकसित भारत गारंटी फॉर रोज़गार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी रामजी) बिल पास होने पर लगातार विरोध कर रहा है। शुक्रवार को, एकजुट विपक्ष ने बिल पास होने के विरोध में संसद के बाहर प्रदर्शन किया, जबकि तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने सदन में एंट्री की सीढ़ियों पर अपना विरोध जारी रखा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, जो अभी जर्मनी में हैं, उन्होंने भी बिल के खिलाफ आवाज़ उठाई और दावा किया कि यह डिज़ाइन से ही राज्य विरोधी और गांव विरोधी है। राहुल गांधी ने कहा, ''हमने कोविड-19 महामारी के दौरान देखा कि मनरेगा का क्या मतलब था। जब अर्थव्यवस्था बंद हो गई और आजीविकाएं खत्म हो गईं, तब इसने करोड़ों लोगों को भूख और कर्ज में डूबने से बचाया। इससे सबसे ज्यादा लाभ महिलाओं को हुआ, जिन्होंने साल दर साल कुल व्यक्ति-दिवसों का आधे से अधिक योगदान दिया है।'' उन्होंने कहा कि जब किसी रोजगार कार्यक्रम को सीमित किया जाता है, तो सबसे पहले महिलाएं, दलित, आदिवासी, भूमिहीन मजदूर और सबसे गरीब अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदाय के लोग बाहर धकेले जाते हैं।

कांग्रेस इसके खिलाफ पूरे देश में करेगी आंदोलन

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के स्थान पर 'विकसित भारत- जी राम जी विधेयक' संसद द्वारा पारित किए जाने के बाद शुक्रवार को कहा कि यह प्रस्तावित कानून प्रदेश एवं गांवों के खिलाफ है तथा इसे वापस लेने के लिए सरकार को विवश करने के मकसद से एक राष्ट्रव्यापी मोर्चा बनाया जाएगा।

मनरेगा ने ग्रामीण मजदूर को मोलभाव की ताकत दी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, ''मनरेगा ने ग्रामीण मजदूर को मोलभाव की ताकत दी। वास्तविक विकल्प मिलने से शोषण और मजबूरी में पलायन घटा, मजदूरी बढ़ी, काम की परिस्थितियां बेहतर हुईं और साथ ही ग्रामीण ढांचे का निर्माण व पुनर्जीवन हुआ। यही वह ताकत है जिसे यह सरकार तोड़ना चाहती है।'' उनके मुताबिक, काम की सीमा तय करके और काम से वंचित करने के और रास्ते बनाकर, जी राम जी विधेयक उस एकमात्र माध्यम को कमजोर करता है जो ग्रामीण गरीबों के पास था।

बांग्लादेश: शरीफ हादी की मौत पर बरपा हंगामा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ढाका। बांग्लादेश में शु क्र वार को शेख हसीना विरोधी नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद बांग्लादेश में तनाव फैल गया, जिससे देश के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन, हिंसा और तोड़फोड़ हुई। हालांकि सुबह हिंसा की कोई घटना सामने नहीं आई, लेकिन प्रदर्शनकारियों को बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान के घर, 32 धनमंडी की पहले से ही तोड़ी गई इमारत में तोड़फोड़ करते देखा गया।

चीफ एडवाइजर मुहम्मद यूनुस के राष्ट्र के नाम टेलीविजन पर दिए गए भाषण में इंकलाब मंच के नेता हादी की मौत की पुष्टि करने के बाद, गुरुवार रात देश के अलग-अलग हिस्सों में हमले और तोड़फोड़ हुई, जिसमें चट्टोग्राम में असिस्टेंट इंडियन हाई कमिश्नर के घर पर पत्थर फेंकना भी शामिल था। प्रदर्शनकारियों ने सुबह 1:30 बजे चटगांव में असिस्टेंट इंडियन हाई कमिश्नर के घर पर ईंटें और पत्थर भी फेंके, लेकिन कोई नुकसान नहीं पहुंचा पाए। पुलिस ने आंसू गैस और लाठीचार्ज करके जवाब दिया, भीड़ को तितर-बितर किया और 12 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। कुछ लोगों के घायल होने की भी खबर है। सीनियर अधिकारियों ने असिस्टेंट हाई कमिश्नर को बेहतर सुरक्षा का भरोसा दिलाया।

फोटो: 4पीएम

शीतकालीन सत्र लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा शीतकालीन सत्र की आज से शुरुआत हो गई है। सदन की शुरुआत से पहले सपा एमएलसी जाहिद बेग साइकिल पर सवार होकर व चेहरे पर ऑक्सीजन मास्क पहनकर साइकिल पर ऑक्सीजन सिलेंडर और कफ सिरप लेकर विधानसभा पहुंचे।

अभी मैं मुख्यमंत्री बना रहूंगा: सिद्धारमैया

» सीएम बोले- ढाई साल का कोई समझौता नहीं हुआ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेलगावी। बेलगावी में कर्नाटक विधानसभा सत्र के अंतिम दिन, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने ढाई साल के सत्ता-साझाकरण समझौते के दावों को दृढ़ता से खारिज करते हुए कहा कि वे अभी भी मुख्यमंत्री हैं। अपने कार्यकाल को लेकर विपक्ष द्वारा बार-बार पूछे गए सवालों और व्यवधानों का जवाब देते हुए, सिद्धारमैया ने स्पष्ट किया कि ऐसा कोई समझौता नहीं है और पार्टी हाई कमांड के निर्णय लेने तक वे मुख्यमंत्री बने रहेंगे।

सिद्धारमैया ने कहा कि पहले जनता का आशीर्वाद आवश्यक है। फिर विधायक दल की बैठक में नेता का चुनाव करते हैं, और उसके बाद हाई कमांड निर्णय लेता है। मैंने बस इतना ही कहा है। अभी भी मैं मुख्यमंत्री हूं, और हाई कमांड के निर्णय लेने तक मैं मुख्यमंत्री बना रहूंगा। इन टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए, भाजपा विधायक और कर्नाटक विधानसभा के विपक्ष के नेता आर अशोक ने सवाल किया कि आपको विधानसभा दल ने पांच साल के लिए चुना था। ढाई साल का क्या? सिद्धारमैया ने स्पष्ट रूप से जवाब दिया कि मैंने ढाई साल के बारे में कुछ नहीं कहा। ढाई साल जैसा कोई समझौता नहीं है। मंगलवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने दोहराया कि वे अपना पूरा कार्यकाल निभाएंगे। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कहा कि हम पूरा कार्यकाल निभाएंगे और 2028 में सत्ता में वापस आएंगे... मैं तब तक मुख्यमंत्री रहूंगा जब तक हाई कमांड कहेगा। कुछ दिनों से यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि क्या कांग्रेस हाई कमांड डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री नियुक्त करेगा। बाद में दोनों नेताओं के एक-दूसरे के आवास पर नाश्ते पर मुलाकात और पार्टी की एकता दिखाने के लिए संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद पार्टी ने इस पर स्पष्टीकरण दिया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।